Today's Poem – 17.07.2014

बाप की याद से होती स्वच्छ बुद्धि

दिव्यगुण आते, मन की होती शुद्धि

सबसे बड़ा अवगुण रफ-डफ बात करना

कटुवचन बोलना

कोई में यह भूत प्रवेश करता

तो बहुत नुकसान कर देता

बुद्धि में रहे - अब घर जाना

नई राजधानी में आना

चलते-फिरते एक बाप की याद में रहना

बाप की निंदा करवाने वाला कर्म कोई नहीं करना

ड्रामा को अच्छी रीति समझना

हर परिस्थिति को खेल समझ पार करते रहना

सदा ज्ञान के सिमरण में रहो तो सदा हर्षित रहेंगे

माया की आकर्षण से बच जायेंगे

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!